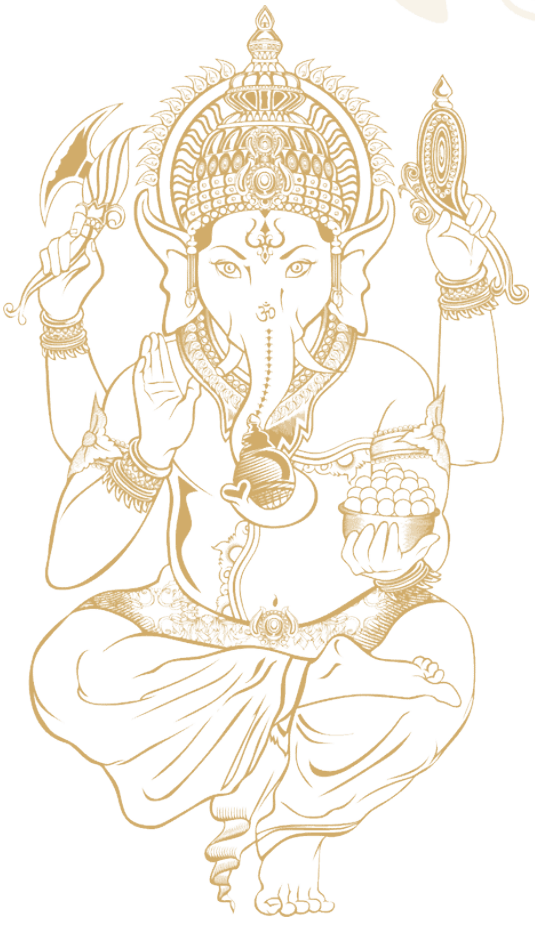

Akshay Jain

Muskan Jain

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120906803

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
30/06/1998	जन्म तिथि	25-26/01/2002
मंगलवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 21:45:00	जन्म समय	05:35:00 घंटे
घटी 40:56:09	जन्म समय(घटी)	55:56:21 घटी
India	देश	India
Muzaffarnagar	स्थान	Baraut
29:28:00 उत्तर	अक्षांश	29:06:00 उत्तर
77:42:00 पूर्व	रेखांश	77:15:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:12	स्थानिक संस्कार	-00:21:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:22:32	सूर्योदय	07:13:35
19:22:50	सूर्यास्त	17:53:16
23:50:02	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:53

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
सूर्य 3वर्ष 3मा 1दि	24:52:23	मक	लग्न	धनु	15:10:55	मंगल 2वर्ष 1मा 28दि	
राहु	14:50:26	मिथु	सूर्य	मक	11:58:08	गुरु	
02/10/2018	02:45:56	कन्या	चंद्र	मिथु	02:32:53	26/03/2022	
01/10/2036	02:17:51	मिथु	मंगल	मीन	11:14:55	26/03/2038	
राहु 14/06/2021	05:38:59	कर्क	बुध व	मक	15:58:08	गुरु 13/05/2024	
गुरु 07/11/2023	03:44:20	मीन	गुरु व	मिथु	13:39:25	शनि 25/11/2026	
शनि 13/09/2026	13:28:47	वृष	शुक्र	मक	14:43:34	बुध 01/03/2029	
बुध 02/04/2029	08:01:16	मेष	शनि व	वृष	14:18:36	केतु 05/02/2030	
केतु 20/04/2030	09:05:13	सिंह	राहु	मिथु	02:45:22	शुक्र 06/10/2032	
शुक्र 20/04/2033	09:05:13	कुंभ	केतु	धनु	02:45:22	सूर्य 26/07/2033	
सूर्य 15/03/2034	18:10:24	मक व	हर्ष	मक	29:52:05	चन्द्र 25/11/2034	
चन्द्र 14/09/2035	07:32:41	मक व	नेप	मक	14:28:55	मंगल 31/10/2035	
मंगल 01/10/2036	12:00:34	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	22:57:42	राहु 26/03/2038	

लग्न-चलित

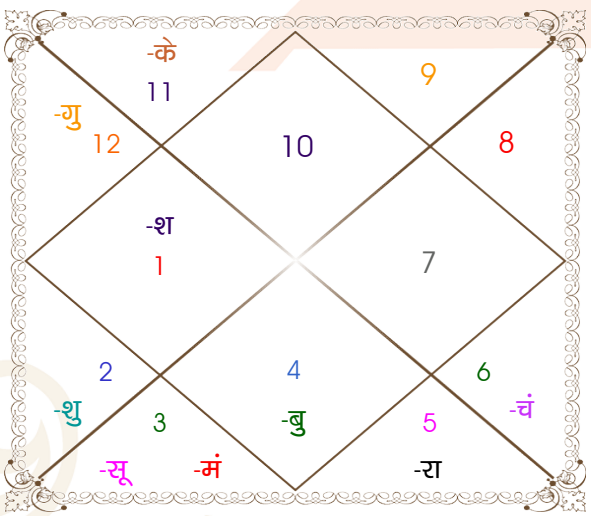

लग्न-चलित

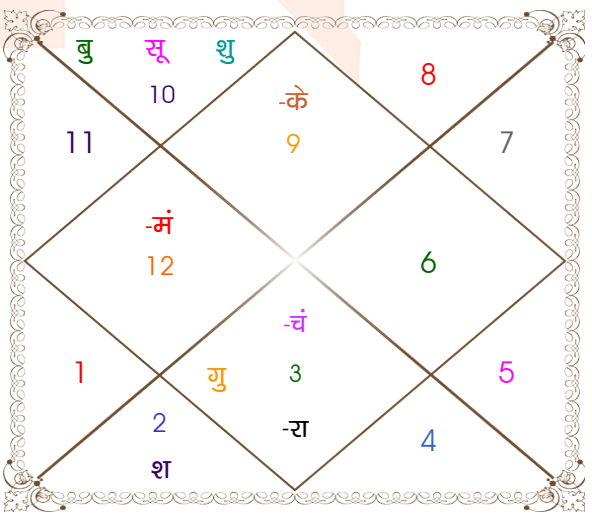

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	सर्प	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	30.50		

ोील श्रंपद का वर्ग श्वान है तथा डनेांद श्रंपद का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ोील श्रंपद और डनेांद श्रंपद का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ोील श्रंपद मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

डनेांद श्रंपद मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि ोील श्रंपद कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल ोील श्रंपद कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ीील श्रंपद तथा डनेांद श्रंपद में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।